amaan.cooldude18
राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 16
फिर आया
नागदंत
एक
आकर्षक
स्टीकर
मुफ्त
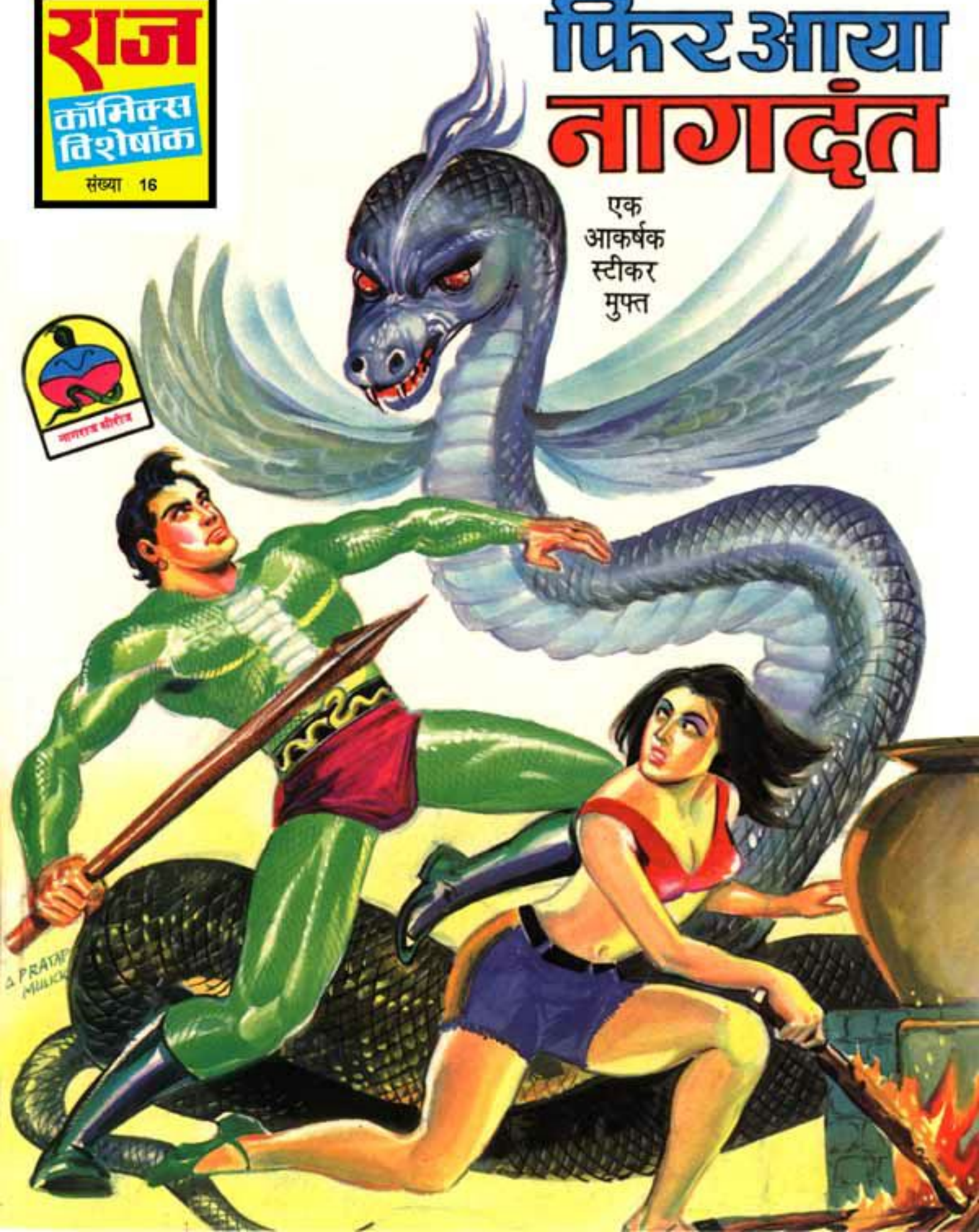
लेखक : तरुण कुमार वाही
सम्पादन : मनीष गुप्ता
कलानिर्देशन : प्रताप मुळीक
चित्रांकन : चंदु
रंगसज्जा : संजय विसपुते
सुलेख : माधुरी पालवणकर

जर्मनी, पड़ोसी देश में आए भीषण तूफान से हताहत हुए लोगों की सहायतार्थ, बॉन स्टेडियम में इस म्यूजिकल-नाइट 'The Street Singer' की व्यवस्था की गई थी!

The Street Singer

मुख्य अतिथि थे जर्मनी के जानेमाने उद्योगपति ब्रूसल!
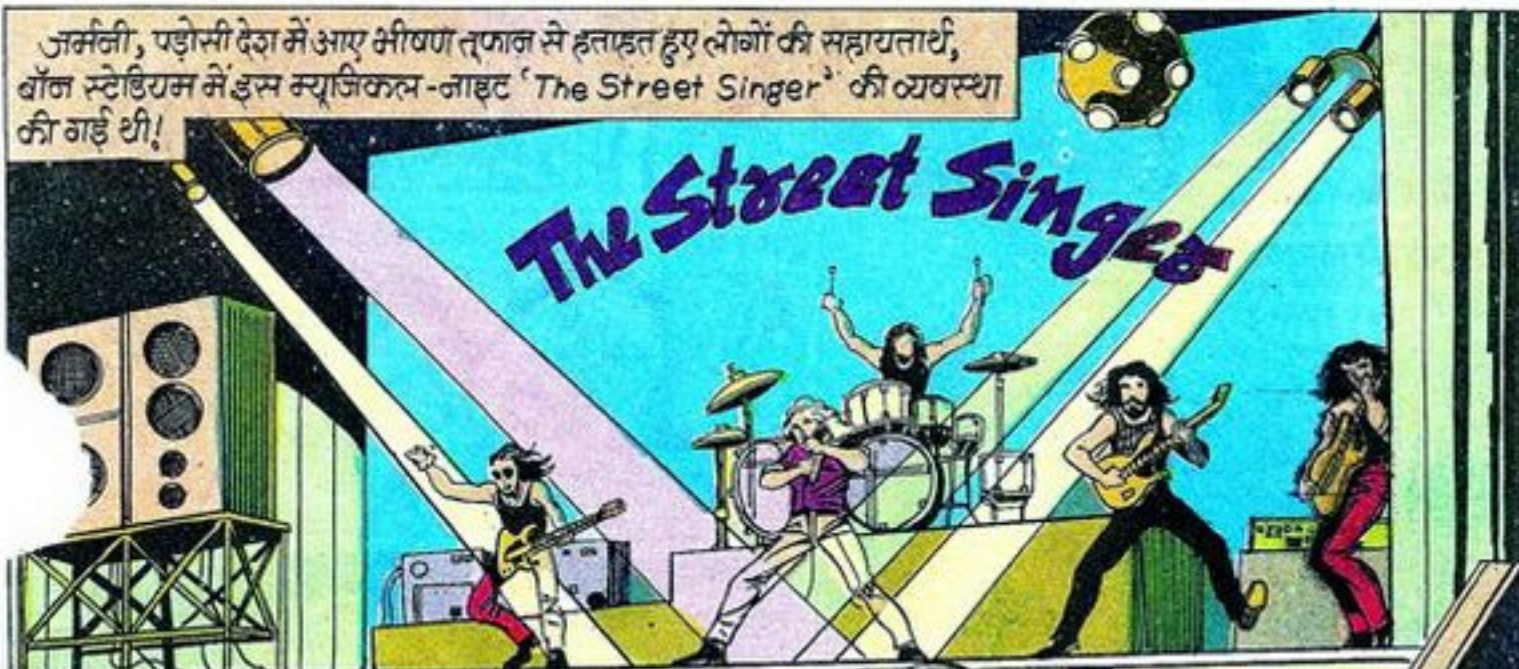
माइकल जैकीचेन के गीत व नृत्य ने समा बांध रखा था।

पलभर में हंगामा मच गया

SIR BRUSSEL IS DEAD!

ब्रुसल मारे गए! उफ!

नो!

दर्शकों में फैली थी भारी उत्तेजना—
मैंने अपनी आंखों से देखा! वो इच्छाधारी सांप था!
विषधर था वो! कमाण्डो कैसे बन गया?

सन्न रह गए स्पेशल दस्ते के कमाण्डोज यह सुनकर—
हैलो! डबल-एक्स को फौरन गिरफ्तार करो, नकली कमांडो है वो! असली की लाश मिल चुकी है इधर! क्विक!
नो!

गजब हुआ!
मेरे तो खुद के सुर ढीले पड़ गए यह दृश्य देखकर!

इवनिंग न्यूज पेपर चार गुना दामों पर बिके—
आज की ताजा खबर इच्छाधारी सांप द्वारा ब्रूसर की हत्या!
जुर्म की दुनिया, अण्डर वर्ल्ड का बादशाह! साइनाइड!
मेरी इजाजत के बिना शराब की एक बून्द का निर्माण भी कोई नहीं कर सकता!

उस समय अपने डुप्लीकेट को देखकर न सिर्फ चौंक पड़ा, बल्कि उछल पड़ा वह—
कौन हो तुम?
साइनाइड!
डुप्लीकेट की गोल आंखों में बला की सी चमक उभर आई थी!

मेरे घर में घुसकर इतनी जुर्रत करने का साहस कैसे आ गया तुझमें?
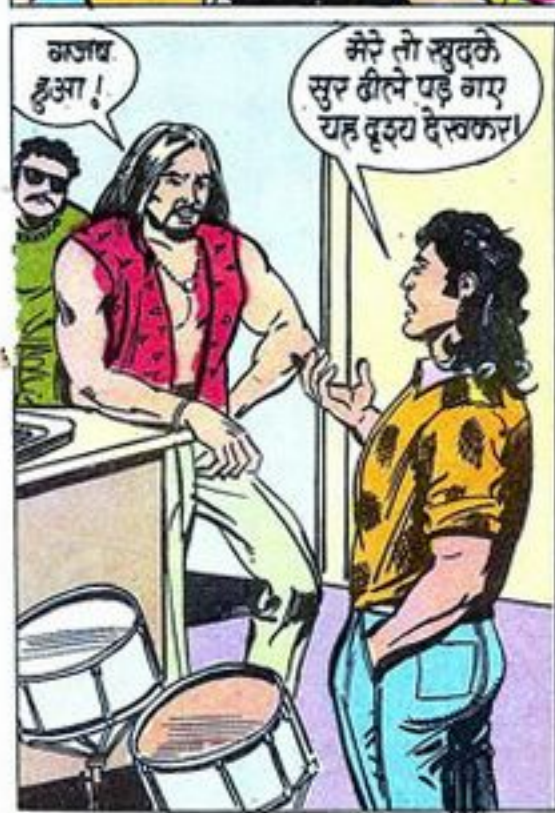
खनाक
तू यहां से जिन्दा बचकर नहीं जायेगा!
साइनाइड ने अपने डुप्लीकेट पर बोतल-बम फेंक मारा –
चमत्कृत रह गया साइनाइड –
य... ये मेरी जिन्दगी का पहला अजूबा है! उफ!
इसी के साथ फट पड़ा बोतल बम!
किन्तु डुप्लीकेट यानि इच्छाधारी नाग ने उसे डस भी लिया!
उफ! कोई मेरा गला जकड़ रहा है! म... ...मेरी आवाज... उं ऽऽह!
हिस्स

आंखों में दुनिया भर की हैरानी लिए लुढ़क गया उसका नीला हुआ जिस्म—
और वह रहस्यमय सांप भाग खड़ा हुआ।

पश्चिम जर्मनी का एक शानदार शहर डस्सलडोर्फ!

अदालत-कक्ष में चल रहा था एक रोंगटे खड़े कर देने वाले हत्या-काण्ड का मुकदमा!
...क्रूरतापूर्वक दो मासूम बच्चियों की गर्दनें ब्लेड से काट डाली गईं।

डकैती डालने गए इस खूंखार दरिन्दे को पहचान लिया था उन दोनों मासूमों ने। उनके पिता का दोस्त था ये योर ऑनर!

ऐसे दगाबाज खूंखार कातिल को सजाए मौत से कम का मिलना न्याय का खून होगा योर ऑनर!

बल्कि ऐसे नृशंस हत्यारे की मौत भी इतनी ही नृशंस होनी चाहिए, ताकि फिर कोई मासूम पेंसिल की तरह न छील डाला जाये।

अदालत में छा गया घोर सन्नाटा! जज ने मुकदमे का फैसला लिखने के लिए कलम उठाया ही था—

...फ़ि!
ओह! उफ़!
अदालत में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति ने देखा वह खौफनाक दृश्य–
स...सांप!
उधर वेंटीलेटर से घिसते देखा है मैंने।
सांप कहां से आया?
सबके देखते-देखते उस भयानक नाग ने वह जहरीली हरकत कर डाली–
छाक
आह
किसका मुकदमा और फैसला किसका?
सबको स्वप्न की तरह लगा वह दृश्य।
उफ़!
क्या सांप का इच्छाधारी रूप देखा है मैंने?
सरसराता हुआ सांप अदालत कक्ष से बाहर निकल आया–
और यह समझ में आते ही कि क्या हो गया है, अदालत कक्ष में मच गई अफरा-तफरी!
सिर्फ 'एक' ऐसा था, जिसके होंठों पर थी कुटिल मुस्कान!
अगर ये ईमानदार जज हमारी 'भेंट' स्वीकार कर लेता तो शायद इसे सांप कभी न डसता, और मैं भी हो जाता बरी!
वही नृशंस हत्यारा था वो!

कहीं दूर —
हैलो! हुड हीयर!
ओह, ग्रेट गन मास्टर हुड!
प्रसिद्ध उद्योगपति मि. श्रुसल के मर्डर की सफलता पर मैं आपको बधाई देना चाहता हूं ग्रेट गन-मास्टर हुड!
काम की बात करें मि. हिचकी! श्रुसल आपका बिजनिस प्रतिद्वन्दी था। उसे रास्ते से हटाकर हमने आपका बहुत बड़ा फायदा कराया है...
...उस बड़े फायदे का पचास प्रतिशत हर माह हमारे पास पहुंच जाना चाहिए!
प... पहुंच जायेगा ग्रेट गन मास्टर! पहुंच जायेगा!
नशे का व्यापारी हुडल —
क... कमाल कर दिया आपने ग्रेट गनमास्टर हुड! इच्छाधारी सांप कहां से लाए आप?
बर्लिन का ग्रेट गनमास्टर हुड!
मतलब की बात करो मि. हुडल! अण्डरवर्ल्ड के बादशाह साईनाइड की कुर्सी तुम्हें मुबारक हो!
...ये कुर्सी उस दिन तुमसे छिन सकती है, जिस महीने फायदे का पचास प्रतिशत हमारे पास पहुंचने में एक दिन की भी देरी हुई!
ऐसा दिन कभी नहीं आयेगा ग्रेट गन मास्टर हुड!

ग्रेट-गन मास्टर हुड—

आप महान् हैं ग्रेट गन मास्टर हुड! आज आपके कारण ही मैं बच सका हूं।

...क्योंकि दूसरा जज इस हकीकत को तुरन्त समझ गया कि अगर उसने हमारा कहा न माना तो उसकी दर्दनाक मौत भी सांप के काटे जाने से होगी। हा हा हा।

हुड के साथ तमीज से बात करो मि॰ पास्कल!

तुम्हें बचाने की कीमत तुम्हारे बरी हो जाने के ऑर्डर के दो घण्टे बाद तक भी हमें नहीं मिली है।

सचमुच कमाल का ही निशानेबाज था हुड—

स...सॉरी! आप मुझे बताएं कि कीमत कहां पहुंचानी है? मैं फौरन भिजवाता हूं ग्रेट हुड!

गुड!

धांय

धांय

धांय

निशाना फिट तो शिकार हिट। हा हा हा।

नागराज!
इस बार मेरा निशाना है बर्लिन का ग्रेट-गन मास्टर हुड!
उसी की तलाश मुझे ले आई है फेडेरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी की राजधानी बर्लिन में।
जर्मनी में मेरा जोरदार स्वागत करने की ख्वाहिश जरूर पूरी करूंगा मैं हुड की।
हुड के विषय में जानने के लिए पढ़ें- "नागराज और ताजमहल की चोरी"
अचानक! बुरी तरह से चौंक उठा नागराज!
उफ़!
नागराज की दूर दृष्टि जा टिकी थी उस युवती पर।
कौन है ये लड़की?
नागराज के चौंकने का कारण थे लड़की के पीछे लगे वे नेवले—
चीं चीं
बस से कूद पड़ा नागराज।
उफ़! सैकड़ों-हजारों नेवले हैं ये तो! इनका शिकार बन सकती है वो लड़की, जो न जाने कौन है?

नेवलों की भयानक चींचियाहटें पल प्रति पल निकट आ रही थीं!
NO!!!!
चींची
उफ!
वीराने में किसको पुकार रही थी वो मदद के लिए!
HELP!
कभी-कभी मदद को आ ही जाता है कोई फरिश्ता बनकर —
बचाना होगा उसे उन नेवलों की फौज से।
पर नागराज अभी दूर था, और लड़की पर टूट पड़े नेवले —
चींची
आह्ह...
चींची
तभी आ पहुंचा नागराज!
दूर हटो दुष्टो! एक निर्दोष लड़की को सताते हो।
नागराज की भयानक विषफुंकारें और सर्पसेना के जांबाज भी नागराज के शरीर से निकल कर...
फू
सूं सूं

...नेवलों पर टूट पड़े —
चिर्रर
चीं-चीं
नागराज की विषफुंकारों ने कहर ढा दिया शैतान नेवलों पर —
मेरी विषफुंकारें उस लड़की को कोई हानि न पहुंचाए! इस बात का ध्यान रखना होगा!
ओह! इस शैतान ने मुझे काटकर मौत बुला ली है अपनी!
चीं-चीं
शीघ्र ही नेवलों में खलबली मच गई —
विषफुंकारों से घबरा कर ये भाग रहे हैं!
चीं-चीं
नागराज वापस उस लड़की की ओर पलटा —
जहरीले नेवलों ने कई जगह से काट लिया है इसे!
नागराज ने चूस लिया उसके जिस्म का सारा विष —
आह!
अब ये खतरे से बाहर है!

अजनबी मददगार को देखकर चौंकी थी वह —
ओह तुम ••• कौन हो तुम?
नागराज!
नागराज?
रोमांच से भर उठी लड़की —
ओह! तुम नागराज हो? जिसका नाम सुनकर बड़े-बड़े शातिर मुजरिमों के छक्के छूट जाते हैं, तुम वही नागराज हो न?
हाँ, मैं वही नागराज हूँ।
उफ! नागराज! मैं नहीं जानती थी की मेरी पुकार सुनकर 'तुम' चले आओगे मेरी मदद को।
संयोग से तुम मेरी दूर दृष्टि की रेंज में आ गई थीं।
इन नेवलों के बीच कैसे फंस गई तुम?
तुम्हें सब कुछ बताऊंगी नागराज!
नागराज ने ओवर कोट पहन लिया। सिल्विया ने कहना आरम्भ किया—
मेरा नाम सिल्विया है नागराज!
जुर्म की दुनिया से वाकिफ हो तुम! ग्रेट गन मास्टर हुड की बेटी हूं मैं।
क्या?
नागराज की आंखें अविश्वसनीय अंदाज में फैल गईं।

उस दिन अपने बंगले में फोन की घंटी बजते ही मैंने रिसीवर उठाया—

लेकिन इससे पूर्व कि 'हैलो' कह पाती, दूसरी तरफ से पापा ने भी फोन का रिसीवर उठा लिया—
हैलो! हुड हीयर!
ओह! ग्रेट गन मास्टर हुड!

"वार्तालाप का अंदाज व शब्द सुनकर रहस्य से भर उठी मैं—"
हमारे काम की क्या प्रोग्रेस है ग्रेट गन मास्टर!
यह कौन कस्के तुमने अपना कीमती समय नष्ट किया है। प्रधानमंत्री की हत्या के लिए दो खूंख्वार इच्छाधारी नागों को नियुक्त कर दिया है मैंने।

और पापा की बातचीत सुनने के बाद मेरा मस्तिष्क अंतरिक्ष के चक्कर लगाने लगा—
नहीं! पापा हत्यारे नहीं हो सकते। मैं एक देशद्रोही की बेटी नहीं हो सकती।

देशद्रोही हत्यारे की बेटी होने के एहसास से थर्रा उठी थी मैं—
पापा!
अरे! सिली बेटी, तुम?

मत पुकारिये मुझे इस नाम से। नफरत होने लगी है मुझे आपसे। हत्यारे हैं आप...

ग्रेट गन मास्टर हुड मेरा बाप नहीं हो सकता।

य...ये क्या कर रही हो सिल्विया ?
फोन करके पुलिस को बुलाना चाहती हूं। पुलिस के सामने आप अपने जुर्मों का कच्चा चिट्ठा खोलेंगे...

मगर वैसा हुआ नहीं।
तुम्हारे सिर पर पागलपन का जो भूत सवार हो चुका है, वह मेरी प्रतिष्ठा धूल में मिला देगा...

यह रहस्य जान लेने के बाद अब तुम जीवित रहीं, तो मेरे सिर पर तलवार बनकर लटकती रहोगी।
छोड़ दो मुझे! आह!

हुड के संकेत पर उस खतरनाक हब्शी ने मुझे हैलिकॉप्टर से बाहर धकेल दिया।
ओह

यह जंगल सैकड़ों-हजारों जहरीले नेवलों के बारे में प्रसिद्ध है सिल्विया! हैलिकॉप्टर से गिरकर बच भी गई तो नेवले तुम्हें जिन्दा नहीं छोड़ेंगे।

हमारी दुनिया में हमारा रिश्ता केवल अपराधों से होता है मूर्ख लड़की, जो कानून नाम की तलवार को कभी अपने सिर पर नहीं लटकने देगा।
गड़ गड़ गड़

आह

सिल्विया की आंखें नम हो उठीं —
नागराज! क्या एक बाप इस हद तक भी गिर सकता है?
हुड जैसे शैतानों के लिए दौलत व रुतबा ही बड़ी चीज होती है सिल्विया! ऐसे लोग अपनी औलाद को भी नहीं बख्शते।
नम आंखों में नागराज के लिए अपार श्रद्धा उभर आई —
नागराज! मुझे बचाकर मुझ पर बहुत बड़ा अहसान किया है तुमने। आज से ये जीवन तुम्हारे लिए है।
नागराज, हुड जैसे शैतान की जिन्दगी का एक पल भी किसी की मौत बन सकता है।
अब मेरी जिन्दगी का केवल एक ही ध्येय होगा, ग्रेट गन मास्टर हुड के काले कारनामों को उजागर करके उसे दण्ड दिलवाना।
सब कुछ सुन चुका था नागराज —
कौन है वे इच्छाधारी नागमानव जो हुड का साथ दे रहे हैं।
नागराज! तुम क्या सोचने लगे? क्या तुम मेरी मदद नहीं करोगे?
ऐसी बात नहीं है सिल्विया! तुम्हें यह जान कर आश्चर्य होगा कि मैं जर्मनी, हुड की ही तलाश में आया हूं।
अब हुड अधिक दिन तक अपराध का कारोबार न कर सकेगा जर्मनी में। मैं उसके आतंक का अंत करके रहूंगा।

सहसा कुछ याद करके उछल पड़ी सिल्विया—
ओह, हां!
तब फिर तुम्हें जल्दी करनी होगी नागराज! प्रधानमंत्री जी की हत्या का प्रोग्राम आज का ही है!
सिल्विया उत्तेजित सी कहती चली गई—
नागराज, ब्रूसल के अलावा हुड अण्डरवर्ल्ड के बादशाह, साइनाइड, और अदालत कक्ष में जज की सरे-आम हत्या का भी दोषी है। इन सबको उसने इच्छाधारी नागों से डसवा कर मरवाया है।
ओह!
मुझे लगता है कि वह प्रधानमंत्री जी पर भी ऐसा ही कोई आक्रमण करवाएगा।
उसकी ये मंशा अब पूरी न होगी सिल्विया! आओ, जल्दी करो।
बिजलियों सी कौंध रहीं थीं नागराज के मन मस्तिष्क पर—
इच्छाधारियों तक हुड की पहुंच कैसी हो गई, इस रहस्य का पता भी लगाना होगा मुझे।
बेहद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रधानमंत्रीजी हैप्पी सोनिया सेन्ट्रल स्कूल के उद्घाटन हेतु आ पहुंचे—
नन्हे बच्चों के शोर-शराबे के बीच प्रधान मंत्री जी का हाथ बढ़ा उस फीते की ओर, जिसे काटकर स्कूल का उद्घाटन करना था उन्हें—

स्पेशल-कमांडो-फोर्स के उस जांबाज की निगाहें स्थिर थी उस व्यक्ति पर—
इसकी आंखें?

एकाएक कुछ सोचकर रोंगटे खड़े हो गए उसके—
उफ! पन्द्रह मिनट से निगाह है इस पर मेरी। इसने एक बार भी पलकें नहीं झपकीं।

पिछले दिनों छपने वाली सनसनीखेज सुर्खियां उसके मन मस्तिष्क में खलबली मचा गईं—

और नागराज था वो इन्सान! जिसकी खुद की आंखें स्थिर थीं एक कमाण्डो पर—
इसकी गोल आंखें? उफ! इच्छाधारी नाग है ये तो!

उस इच्छाधारी की ओर देखता नागराज अभी कदम आगे बढ़ा भी न पाया था कि—
यू.... यू आर अण्डर अरेस्ट मिस्टर?

उसके इतना कहते ही भूचाल आ गया—
ये इच्छाधारी नागमानव है!
प्रधानमंत्री जी को सुरक्षा घेरे में लो!
?

हतप्रभ रह गया नागराज—
उफ! वह इच्छाधारी हत्यारा प्रधानमंत्री जी की तरफ बढ़ रहा है!

बेवकूफ इन्सान! मैं यहां प्रधानमंत्रीजी की सुरक्षा के लिए मौजूद हूं।
उस जबरदस्त अफरा-तफरी का लाभ मिला मौत के उस परवाने को —
मौत झपट पड़ी थी अपने शिकार पर —
हर आंख स्तब्ध थी! हक्के-बक्के, मुंह फाड़े खड़े थे सबके सब! किंकर्तव्य विमूढ़ से!
वह नागमानव बचे, न बचे! प्रधानमंत्री जी बचें!
उफ! वह डस लेगा प्रधानमंत्री जी को!
इच्छाधारी मौत!
केवल एक इंच का अन्तर था उस नाग और उसके शिकार के बीच —
और —
स्तब्ध लोगों के मुंह से आश्चर्य के साथ उबल पड़ी चीखें —
न... नागराज!
नागराज है ये तो।
उफ! ये तो नागराज है। और हम इसे इच्छाधारी हत्यारा समझे।
लानत है हम पर!

झूम उठे बच्चे तो!
नागराज!
टेन टेन टणेल
नागराज!
अब आयेगा मज़ा!
महामज़ा!
बहुत उत्पात मचा लिया तुम इच्छाधारियों ने जर्मनी में!
अगले ही पल नाग परिवर्तित हो गया नागराज में—
अब मैं पहले तुझे ही समाप्त करूंगा नागराज!
सब लोग दूर-दूर हट जायें!
कैक्टस छलनी बनाकर रख देगा तेरे जिस्म को!
सड़ाक
क्यों नागराज, दर्द हो रहा है?
क्रोधित होने लगी भीड़ में खड़ी सिल्विया—
आश्चर्य है कोई नागराज की मदद को आगे नहीं आ रहा! और.... अरे.... वह कमाण्डो...
सिल्विया की छठी इन्द्री सजग हो उठी!

एक क्षण की भी चूक ले जाती प्रधानमंत्री जी के प्राण—
दो इच्छाधारी हत्यारों को भेजने की बात कही थी हुड ने ये है दूसरा।
आश्चर्यजनक परिवर्तन होने लगे सिल्विया में—
आह
नेवले सी टूट पड़ी वह उस इच्छाधारी पर—
उफ्!
अगले पल वह नागमानव सांप में परिवर्तित होकर भीड़ में खो गया।
अब यहां रुकना खतरे से खाली नहीं।
नागराज हतप्रभ हो उठा सिल्विया का ये रूप देखकर—
उफ्! इसमें तो नेवले जैसे गुण आ गए हैं।
नागराज ऐसे बंधनों से निकलना जानता है।
तड़ाक्
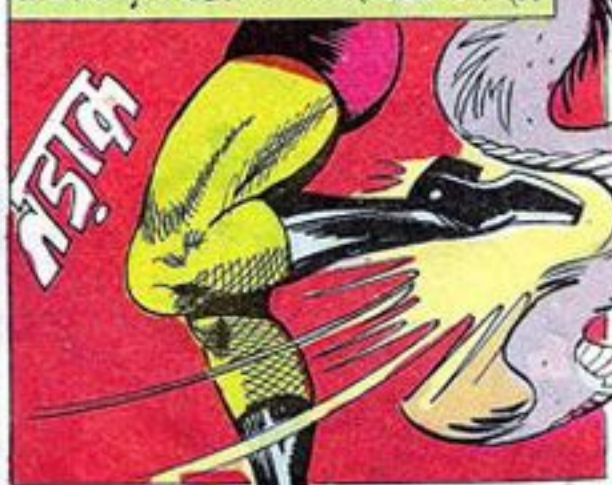
नागराज की उपस्थिति में गलत हरकत का क्या अर्थ होता है ये तुम्हें अभी समझ में आ जायेगा!
उस पर वार करने का अर्थ भी नागराज जानता था—
इसके जिस्म में उगे हैं ये बड़े-बड़े कांटें इसके जिस्म पर शारीरिक रूप से चोट करने में ये कांटें मुझे भी चुभेंगे। उफ!
किंतु इसे समाप्त करने के लिए ये पीड़ा तो मुझे सहनी ही होगी।
कैक्टस के पास घातक हथियार के रूप में उसकी पूंछ थी—
एक-दो वार तेरे चल गए तो तू सूरमा नहीं हो गया नागराज!
पहले तेरी इस पूंछ का ही इन्तजाम कर दूं। बहुत चलती है।
नागराज प्रतिद्वन्दी को परास्त करने की चेष्टा में लगा था—
अब जहां गिरेगा, तेरी सारी अकड़ भी वहीं झड़ जायेगी।
उफ!
सारा जिस्म छलनी हो चुका है।

शूल से नहा गया कैक्टस—

खच्चाक

ओह, मैं उसे समाप्त नहीं करना चाहता था। पर सिल्विया, वह भी तो उलझी थी एक इच्छाधारी से।

ओह—

?

सिल्विया! वह कहां है?

सॉरी नागराज! वह फरार होने में सफल हो गया।

नॉर्मल हो चुकी थी सिल्विया।

नागराज और सिल्विया के इर्द-गिर्द भीड़ लगती चली गई —

नागराज! यू आर ग्रेट! अगर आज तुम न होते तो अनर्थ हो जाता!

कमाल तो इस लड़की ने भी किया! पर ये है कौन?

अब मुझे भी यकीन हो गया कि नागराज ही हुड के आतंक से मुक्त करवा सकता है जर्मनी को!

नागराज! तुम्हारे विषय में जैसा सुना था वैसा ही पाया!

सॉरी नागराज! मैं स्पेशल कमांडो दस्ते का मुखिया जॉनसन हूं! तुम्हें पहचानने में बड़ी जबरदस्त भूल हुई हमारे कमांडोज से! पर इन इच्छाधारी नागों ने आतंक मचा रखा है जर्मनी में! तुम्हें देखकर कोई भी धोखा खा सकता था नागराज!

इसमें आपके कमांडोज का कोई कुसूर नहीं मिस्टर जॉनसन!

नागराज, पिछले दिनों कई हत्याएं की हैं! इन इच्छाधारियों ने! आज अगर ठीक वक्त पर तुम न आ जाते तो अनर्थ हो जाता!

प्रधानमंत्री की निगाहों में नागराज के लिए आदर व प्रशंसा के भाव थे —

नागराज! हमारी ये दिली-ख्वाहिश है कि इस मामले में तुम हमारे देश की मदद करो!

मैं केवल मानवता का पुजारी हूं मान्य प्रधानमंत्रीजी!

जहां मानवता का एक दुश्मन भी होगा, मैं उसके खात्मे के लिए वहां अवश्य पहुंचूंगा! ये तो मेरा फर्ज है!

और अपने उसी फर्ज को पूरा करने के लिए मुझे कैक्टस की लाश ले जाने की इजाजत चाहिए!

बेशक तुम इसे ले जाओ नागराज!

थैंक्यू वैरी मच! आओ सिली!

सिली? वाह!

नागराज! मुझे एकाएक क्या हुआ था?
शायद नेवलों के दंश के कारण तुम्हारे अन्दर नेवलों जैसे गुण आ गए हैं सिल्विया, जो तुम्हारे क्रोध के कारण एकाएक प्रकट हो गए!
तुम इसकी लाश का क्या करोगे?
ये एक इच्छाधारी नागमानव है सिल्विया! इसकी आंखें मुझे मेरे बहुत से प्रश्नों का उत्तर देंगी!
जैसे...
ये कौन है? कहां से आया है? कौन लाया है इसे? हुड के पास कैसे पहुंचा ये...इत्यादि?
कैक्टस की आंखों में झांकती नागराज की आंखों में हैरानी का सागर मंडराने लगा—
अरे! ये यहां? उफ...!!
किसे देखकर चौंका था नागराज?
नागदंत को देखकर नागराज के जिस्म में चींटियां सी रेंगने लगीं—
ओह! अब मुझे समझ में आ रहा है इन इच्छाधारियों का रहस्य!
क्या बात है नागराज? तुमने कैक्टस की आंखों में क्या देखा है? कौन है वो जिसे देखकर इच्छाधारियों का रहस्य तुम्हारी समझ में आ रहा है!

तुम उसे नहीं जानती सिल्विया! वो नागदंत है। प्रोफेसर नागमणि द्वारा तैयार दूसरा नागराज जिसने एक बार मुझे भी दुनिया की निगाहों में आतंकवादी बना दिया था।
पढ़ें :- नागराज के दो सनसनीखेज कॉमिक्स 'नागराज का दुश्मन' और 'इच्छाधारी नागराज'
इसका मतलब हुआ नागराज कि नागदंत ग्रेट गनमास्टर हुड के साथ मिलकर काम कर रहा है।
ऐसा ही लगता है। सिल्विया, क्या तुम मुझे हुड तक पहुंचा सकती हो?
क्यों नहीं नागराज!
एक बार फिर आरम्भ हुआ नागराज का मौत का सफर—
नागराज! बर्लिन में हुड के सारे व्यापारिक संस्थानों में मैंने कई बार खतरनाक गुण्डों को आते जाते देखा है। लगता है उन सभी अड्डों पर केवल गैरकानूनी कार्य ही होते हैं।
हुड के अड्डों की तबाही के पश्चात मुझे तलाश रहेगी केक्टस की आंखों में दिखी उस ज्वालामुखी जैसी पहाड़ी की, जहां से हर वक्त धुएं की लकीरें सी निकलती रहती हैं।
उस सुलगते हुए ज्वालामुखी के भीतर जाने का साहस भी कर सकता है कोई—
मुझे महान नागदंत को यह सूचना जल्दी ही देनी होगी।
उछल पड़ा नागदंत तो!
क्या नागराज?
बुरी तरह चौंका था हुड भी।
नागराज जर्मनी में कब पहुंचा?
यह मुझे नहीं मालूम। नागराज के हाथों मिशन असफल होता देख मैं वहां नहीं रुका•••••

क्रूरता झलकने लगी नागदंत की आंखों में—
...और भाग आए नागराज से भयभीत होकर! सोचा होगा नागदंत खुश होगा, शाबासी देगा।
हुड के होंठों पर दिखी क्रूर मुस्कान और हाथों में रिवॉल्वर।
लेकिन? इस एक शब्द की आड़ लेकर अपनी असफलता पर पर्दा डालने की चेष्टा मत करो वाइपर बचोगे नहीं अब तुम!
म...मगर ग्रेट गनमास्टर...
क...कैक्टस की असफलता के साथ ही मैंने तुरन्त अपना मिशन पूरा करने की चेष्टा की थी महान नागदंत लेकिन...
तुम्हारे पास बचने का एक ही रास्ता है वाइपर! खुद को सर्प में परिवर्तित करके यहां से भागो। अगर मेरी गोलियों से बच गए तो सचमुच वो तुम्हारा नया जीवन होगा।
बेचारा वाइपर! क्या करता—
सांप बनकर आड़ा-तिरछा दौड़ने से मैं हुड की गोलियों का शिकार होने से बच सकता हूं।
गूंज उठे बुलेट्स के धमाके—
धांय धांय धांय
हा हा हा
ग्रेट गनमास्टर की उपाधि ऐसे ही नहीं प्राप्त थी उसे अपराध की दुनिया में—

बेवकूफ! हुड उड़ती चिड़िया की आंख में, आंख बन्द करके निशाना लगा सकता है।

नागदंत! नागराज जर्मनी में मेरी तलाश में आया है या तुम्हारी?
तुम्हारी?

पर यहां आने के बाद इच्छाधारियों से जब उसका पाला पड़ा होगा तो अब वह मेरी तलाश भी यहां शुरू कर चुका होगा।

मैंने जर्मनी में नागराज का शानदार स्वागत करने का वायदा किया था उससे।

घबराओ नहीं हुड! यहां हम उसका स्वागत शानदार ही करेंगे।
मैं जानता था कि एक दिन ऐसा आनेवाला है।
इसलिए पक्का इंतजाम है इस बार मेरा।
नागदंत को नहीं भेद पायेगा इस बार नागराज।

ब्लैक-एवेन्यू के नाम से कुप्रसिद्ध था वह रिहायशी इलाका—

ब्लैक-एवेन्यू के सिर पर मंडरा रहा था हैलिकॉप्टर—
नागराज! एक बार मैं यहां हुड के साथ आई थी। कार से बाहर नहीं निकली थी, पर मुझे यकीन है कि ब्लैक एवेन्यू में जरूर कोई गड़बड़ होगी।
हैलिकॉप्टर से बाहर निकला नागराज—
सिल्विया! मार-धाड़ से भरा एक छोटा सा ट्रेलर देखना है तो आओ मेरे साथ।
जरूर नागराज!
ब्लैक-एवेन्यू में उस इन्सान को देखकर सनसनी मच गई—
नागराज ब्लैकियों की दुनिया की इस छोटी सी बस्ती में?
नागराज?
कौन है कच्ची शराब की इन भट्टियों का मालिक?
हम!!
अबे ओ! काम क्यों रोक दिया? शाम तक दो ड्रम शराब क्या तेरा ताऊ आकर खींचेगा भट्टी पर।
क...काम चालू है बौनी दादा!
तो तुम ही इन भट्टियों के मालिक?
दूसरी बार पूछा तो कच्ची की पूरी बोतल हलक में उड़ेल दूंगा।

क्या हुआ, कोई न जान पाया! बस अगले ही पल बोतल नागराज के हाथ में थी।
कच्ची की पूरी बोतल मेरे हलक में उंडेलेगा?
नागराज का जबरदस्त पंच —
धाड़
और—
गुलुप गुलुप
बोतल खाली हुई —
वाह, नागराज!
गुलुप ••• आह ••• हम्फ ••• हम्फ ह हराम-खोरों! खड़े क्या देख रहे हो!
डुबो दो इसे इसी शराब में!
ठहरो यार! इतनी जल्दी भी क्या है? अपनी बोतल तो वापस ले लो!
टूट गई तो ये दादा तुम्हें छोड़ेगा नहीं!
ट्रेलर ही दिखा रहा था नागराज —
तोड़ डाली पूरी क्रेट बोतलों की! अब तो बहुत पीटेगा तुझे दादा!
खनाक

और ये
नागराज पर वार करने के
दुस्साहस का इनाम!
तुम्हारे लिए मेरे जांबाज सैनिक! क्योंकि पूरी फिल्म यहां शूट करने का मेरा कोई इरादा नहीं है क्यों सिल्विया?
वाह!
और
कहां गया तुम्हारा
वो बौनी दादा?
ऐलो! ये तो एक बोतल में ही हो गया हिट!
अरे, नागराज, रोको उसे!
वाह बेटे! मुफ्त की मिली तो तू भी शुरु हो गया।
नागराज! ऐसा ट्रेलर मैंने किसी फिल्म में भी नहीं देखा।
अचानक चौंक पड़ी सिल्विया। उछल पड़ा नागराज भी—
नागराज!
ओह नो!
हंगामा मच गया ब्लैक-एवेन्यू में जितनी दहशत मचनी चाहिए थी, मची—
नागराज अब जिन्दा नहीं जायेगा ब्लैक-एवेन्यू से।
भागो! अंगार आ गया!
पलक झपकते खाली हो गया वह पूरा इलाका—

रह गये नागराज, सिल्विया, अर्द्धमूर्च्छित बोनी दादा...
नागराज... हिच्च तुझे बोतल में डुबो दूंगा... हिच्च!
...और अंगार–
अंगार के इलाके में तेरी गुंडागर्दी नहीं चलेगी रे नागराज!
नागराज! तेरी हड्डियां ऐसे ही तोड़ूंगा!
बचो सिल्विया!
शीघ्र ही अंगार की ओर लपका नागराज–
अंगार! तेरी यहां उपस्थिति बहुत कुछ समझा रही है मुझे।
अंगार ने जकड़ लिया नागराज को–
हा हा हा! मेरी इस पकड़ से जब लाशें निकलती हैं तो भीतर उनकी हड्डियों का चूर्ण बन चुका होता है नागराज!
उफ! नागराज!
सिल्विया के लिए इस समय क्रोध की नहीं, बुद्धि से काम लेने की आवश्यकता थी–
नागराज को बचाने के लिए ये सुलगती हुई लकड़ी ही काम आयेगी।

तरकीब कारगर थी—
आग मजबूत से मजबूत जिस्म के भी छक्के छुड़ा देती है।

अपने एक पंख को जलाने से न बचा सका अंगार—
थैंक्यू सिल्विया!

क्रोध से पागल सा हो उठा अंगार—
नागराज! अब तू इस लड़की की मौत पहले देखेगा।
नागराज!

सिल्विया को तुरन्त बचाना था नागराज को—
अगर ये वार चूक गया मैं तो सिल्विया की जिन्दगी खतरे में पड़ सकती है।
अंगार के जबड़े को भेदता हुआ दूसरी ओर निकल गया वह सरिया—
उफ! साक्षात मौत से मुकाबला है ये नागराज का।

शराब के ड्रम को लेकर सर्प रस्सी पर लहराया नागराज—
इसे और अवसर देना मुसीबत बुलाना होगा।

अंगार के मुंह में उड़ेल दी शराब नागराज ने—
इसे मैंने शराब में नहला दिया है सिल्विया, इसके शरीर से मशाल छुआ दो।
सिल्विया ने उसकी पूंछ को मशाल दिखा दी—
ले जल मर शैतान!
पर्वत सा विशाल अंगार का जिस्म धम्म से आ पड़ा जमीन पर—
शराब में भीगे उसके शरीर से टकरा कर मशाल की आग भड़कती चली गई।
नागराज बढ़ा सिल्विया की ओर—
सिल्विया! इस शैतान को बहाने में तुमने बड़ी मदद की मेरी।
तुम्हारे लिए मैं अपनी जान पर भी खेल सकती हूं नागराज!
(हिच्च) नागराज? कहां है नागराज? मैं उसका खून शराब में मिलाकर पी जाऊंगा।
नागराज चाहिए?
हां! तुमने देखा है नागराज को? हिच्च!
ही ही
टनाक

आओ सिल्विया, चलें!

ब्लैक-एवेन्यू से समस्त भट्टियों को तबाह कर नागराज सिल्विया के साथ आगे बढ़ा—

आज के बाद इस बस्ती में कोई कच्ची शराब की खिंचाई नहीं करेगा।
हुड इस तबाही पर तिल मिला उठेगा नागराज!

'डॉक' के उस शिप के 'रन-वे' पर केवल 'हुड' के हेलिकॉप्टर को उतरने की अनुमति थी—

ये हेलिकॉप्टर ग्रेट गनमास्टर का नहीं है।

नागराज के हेलिकॉप्टर को शिप पर उतरने से न रोक सके वे—
(गड़बड़) ये सांप कहां से आ गए?

नागराज! इस शिप के मालिक हैं ग्रेट गनमास्टर हुड।

यहां से हिलना नहीं! वरना अपनी मौतों के तुम दोनों खुद जिम्मेदार होगे। आओ सिल्विया!

शिप के माल गोदाम का मजबूत लोहे का दरवाजा
?
नागराज! मुझे लग रहा है कि मैं अपने दांतों से इस दरवाजे को कुतर सकती हूं।
सचमुच में कमाल कर डाला सिल्विया ने—
मेरे भीतर संचार कर उठी नेवला शक्ति का कमाल है ये।
कुतर... कुतर
गोदाम में दो अजनबियों का प्रवेश?
शूट देम!
गोलियों से पहले छूट निकले सांप—
सांय
उफ़
आह! सांप!
उफ़
सर्परस्सी पर लहराया नागराज—
तुममें से दो-चार को तो मैं शहीद कर दूंगी!
अरे बापरे! मोटा हाथी!

मुझे मारेगा, ले मार! मार!
आह!
अरे! रुक क्यों गया?
आह!
पहले लड़ना सीख कर आ मोटे!
अधिक कसरत नहीं करनी पड़ी नागराज व सिल्विया को—
हूं! इन सभी पेटियों में गोल्ड भरा है सिल्विया!
शेष पेटियों में चरस, अफीम, गांजा इत्यादि होंगे!
मौत के सौदागरों के लिए नागराज के चेहरे पर दिखने लगी नफरत ही नफरत—
सिल्विया! नागदंत और इन को बड़ी भयानक मौत दूंगा मैं!
इसके लिए मुझे दुनिया भर के इच्छाधारी-सांपों से मानसिक सम्पर्क स्थापित करना होगा!

उन इच्छाधारी सांपों में नागदंत के वे इच्छाधारी सांप भी होंगे...

...जिन्हें यहां बुलाकर सम्मोहित करके मैं नागदंत और हुड तक पहुंच सकता हूं।

टूट गया नागराज द्वारा जोड़ा जा रहा मानसिक सम्पर्क—
बचो नागराज! उफ!

दुनिया भर के इच्छाधारियों को बुलाने की जरूरत नहीं नागराज! मैं अकेला ही काफी हूं।

भारी-भरकम हुक टकराया नागराज से, लेकिन—
उफ!

डेक पर उतर आया दुश्मन—
हलाहल का विष पत्थर को भी मोम की तरह पिघला देता है।

देखा नागराज! अब तू सोच कि तू क्या है मेरे सामने! हा हा हा!

क्या ये भी नागदंत की चाल का ही कोई मोहरा है ?
नागराज! बहुत जहरीला है यह इच्छाधारी!
हलाहल के विष से बचना होगा मुझे! इसका विष मेरा अस्तित्व समाप्त कर सकता है!
बचो सिल्विया!
हा हा हा! नागराज! छूने न पाये 'हलाहल' का विष!
घातक है इसका विष! उफ़!
इसे सर्प-रस्सी से बांधने का प्रयत्न करता हूं, ताकि इसके निकट पहुंच सकूं!
सर्परस्सी नहीं चलेगी नागराज! मेरी टक्कर में नहीं आती ये!
यह सर्परस्सी तेरा ध्यान बंटाने के लिए थी विषधर महाराज! ये किक तुझे तेरी टक्कर की लगेगी!

क्रोध से पागल हो उठा हलाहल—
नागराज! इतना विष बरसा दूंगा कि ये सम्पूर्ण बन्दरगाह तुझ सहित राख का ढेर बन जायेगा!
बाप रे! ये तो पागल हो गया है!
उससे निपटने का उपाय तेजी से सोच रहा था नागराज का मस्तिष्क—
ओह! इसके गले में मेंढक की तरह की ये ग्रन्थी सी कैसी बनी है!
सिल्विया, इसी ग्रन्थी में ही भरा होगा प्रलयंकारी विष!
अगर ये ग्रन्थी फूट जाए तो शायद इसे समाप्त करने में मुझे अधिक देर नहीं लगे!
नागराज! यह काम तो मैं कर दूंगी, तुम उसे हुक के निकट ही रखना!
नागराज ने वार करने का कोई अवसर नहीं चूकना था—
सिल्विया अपना काम ठीक से करेगी?
हलाहल बरसाते हलाहल को इस वार की कतई उम्मीद नहीं थी—
आह... यह क्या? नहीं!
फच्चाक

चाहकर भी फिर भयंकर विष न फेंक सका हलाहल—
नागराज! धोखे से वार किया है तूने मुझ पर!
प्रेम और जंग में सब जायज है प्यारे!
हलाहल के घूंसे को थाम लिया नागराज ने—
हलाहल! अब तू कुछ नहीं करेगा!
अब जो करूंगा, वह मैं करूंगा!
स्नेक-स्टाइल का वह वार हलाहल के लिए बर्दाश्त कर पाना कठिन था—
हलाहल के मांस के नीचे खोपड़ी कई टुकड़ों में विभक्त हो चुकी थी—
लाश में बदल चुका था हलाहल!
सिल्विया! एक बार फिर तुमने मेरी भारी मदद की।
नागराज! बार-बार ऐसा कह कर तुम मुझे शर्मिंदा मत करो। देश के दुश्मनों को समाप्त करने की इस जंग में तुमने मुझे अपने साथ रखा, यही क्या कम है!

नागदंत! हुड के साथ मिलकर जो खेल तू यहां खेल रहा है, उसे समाप्त करके मैं शीघ्र ही ढूंढ लूंगा तुझे। तब तेरे प्राणों को मुझसे अवश्य खतरा हो जायेगा।
नागराज की सूचना पर 'शिप' को जर्मन पुलिस ने अपने अधिकार में ले लिया—
इधर नागराज सिल्विया के साथ मंडरा रहा था उस बिस्कुट फैक्टरी के ऊपर—
नागराज ने रोक लिया उस ट्रक को—
ट्रक में क्या जा रहा है?
बिस्कुटों के डिब्बे। पर तुम कौन हो?
सिल्विया के मजबूत दांतों ने कुतर डाला एक बक्सा—
नागराज! इन बक्सों में बिस्कुट नहीं, हथगोले भरे हैं।
तुम जो भी हो, अब तुम्हारी लाश भी इन्हीं डिब्बों में पैक हो कर जायेगी इस ट्रक में।
धांय
ओह
कहां गये दोनों? ट्रक के नीचे?
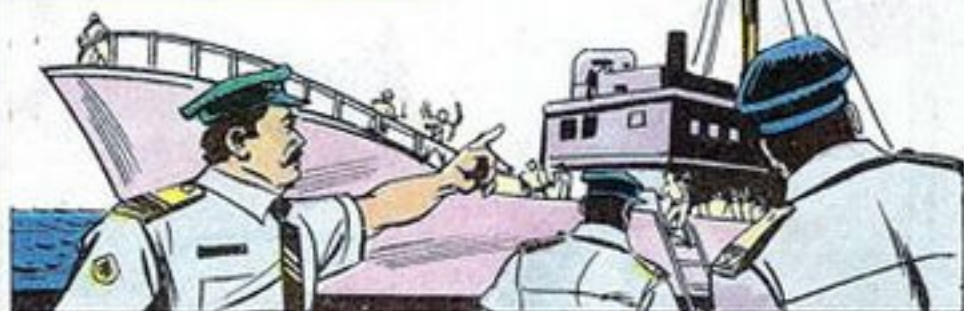
नहीं बेटे! ट्रक के अन्दर!
नागराज के स्नेक स्टाइल की एक अंगुली के वार से ही 'चूं' बोल गया ट्रक का ड्राइवर—
भीतर प्रवेश करते ही उछल पड़ी सिल्विया—
आओ सिल्विया!
हथियारों की इस फैक्टरी में इसकी जरूरत पड़ेगी नागराज!
नागराज! हुड इस समय फैक्टरी में है! वह देखो हुड का पर्सनल हैलिकॉप्टर!
ओह!
एक पेटी एल.एम.जी.की, एक ए.के.47 एसाल्ट गन, एक रॉकेट गन, दो पेटी हैण्ड ग्रेनेड! हुंउ, ठीक है, माल लोड करो!
एक पेटी ये भी लोड कर दो! काफी घातक हथियार है!

उतना बड़ा झटका लगा उसे, जैसा किसी भारतीय को ताजमहल जर्मनी में देख-कर लग सकता है।
तुम...नागराज?
अगर तुम मुझे पहचानते हो...
...तो अगले ही क्षण तुम्हें बता देना चाहिए कि हुड कहां है?
ग्रेट गन मास्टर?
ग्रेट गनमास्टर का पता तुम्हें मैं जरूर बताऊंगा नागराज!
पता नहीं बड़े-बड़े अपराधी क्यों इससे भय खाते हैं।
नागराज तैयार था उस वार के लिए—
मैं अभी इसकी खाल में भुस भर कर फैक्टरी की छत पर रखवाता हूं।
इससे इसी शराफत की उम्मीद थी मुझे।
सांय
सचमुच काफी घातक हथियार थे वे—
गोली से भी तेज छूटते हैं ये सांप! बताओ हुड कहां है?

ठीक इसी पल —
ओह! यह क्या?
तुरन्त ही छत से जा लगा नागराज —
उफ!
हा हा हा! नागराज! हुड तक पहुंचने के लिए अभी तुम्हें बहुत मेहनत करनी पड़ेगी।
अच्छा नागराज! इस सम्पूर्ण अड्डे में टाइम बम फिट कर दिए गये हैं। अगर तुम बचे तो फिर मिलेंगे। हा हा हा।
छत का एक हिस्सा गड़गड़ा कर हटने लगा —
बाय नागराज! गुडलक!
नागदंत के साथ मिलकर अच्छा स्वागत कर रहा है ये मेरा जर्मनी में।
पर ये सिल्विया कहां गायब हो गई?
मैं यहीं हूं नागराज!
सिल्विया की तीव्रता पर हैरान हो उठा नागराज —
नागराज! सबका ध्यान तुम्हारी ओर था। मुझे यहां पहुंचने में क्या दिक्कत होती?
उफ! कमाल की लड़की है।

सिल्विया ने कुतर डाला जाल —
हुड को जाने नहीं दूंगा आज!
सिल्विया, भागो!
नागराज की मौत की कल्पना में प्रसन्न हुड —
हा हा हा! आज किस्सा समाप्त हो जायेगा इस नागराज का!
'भक्क' से उड़ गई हुड की खोपड़ी —
नागराज .... और... और सिल्विया? उफ, नहीं!
जेम्स! उड़ा दो जीप को बमों से!
जीप के साथ ही उड़ा दूंगा नागराज के भी जिस्म के परखच्चे!
नागराज! बम वर्षा!

पर नागराज जीप में कहां था—
उफ! नागराज सर्परस्सी पर लटका हेलिकॉप्टर की ओर जा रहा है।
इसी पल बिस्कुट फैक्टरी मलबे के ढेर में बदल गई—
धड़ाम
चीख पड़ी सिल्विया भी—
नागराज! हेलिकॉप्टर में मैंने टाइम-बम फिट कर दिया था। कूद जाओ!
मौत का भूकम्प मच गया हुड के चेहरे पर—
सिल्विया को अपने हाथों क्यों नहीं मार डाला मैंने! उफ! पैराशूट बांधने का भी समय नहीं है।
भीषण धमाके के साथ ब्लास्ट हो गया टाइमबम—
धड़ाम
चारों ओर फैल गया घने धुएं का गुब्बार!
जैसे बुत में बदल गई सिल्विया—
नागराज! नहीं! उफ! वह बम मैंने हुड के लिए लगाया था नागराज ताकि वह फरार होने की चेष्टा करे तो...
रोमांच! अद्भुत रोमांच से रोंगटे खड़े हो गए सिल्विया के—
नागराज? उफ सांपों की बनी छतरी से सुरक्षित उतर रहा है नागराज!
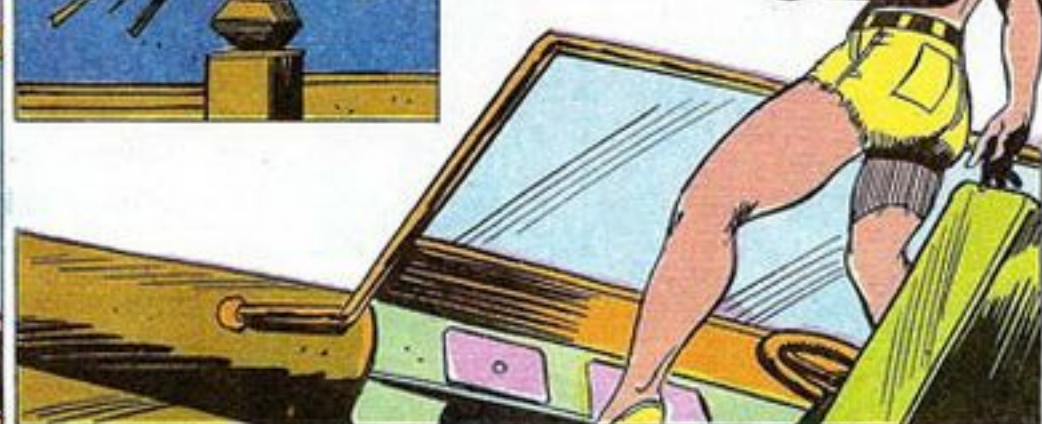
फिर आया नागदंत
पागलों की तरह नागराज से आ लिपटी सिल्विया—
ओह नागराज! तुम्हें कुछ हो जाता तो जीवित न रहती सिल्विया भी।
होश में आओ सिल्विया! तुरन्त हुड की तलाश करनी है हमें।
इसी के साथ उछल पड़े दोनों—
धड़ाक
ओह! यह क्या?
नागराज देखते ही पहचान आया उस इच्छाधारी नागमानव को—
घोड़ा पछाड़ घटोत-विष! उफ! तो इसने मारी थी वो भीषण टक्कर!
नागराज! टक्करें मार-मार कर मैं तेरे जिस्म की सारी अस्थियां चटखा दूंगा।
इसकी गति के कारण इससे मुकाबला कठिन हो जाता है प्रतिद्वन्दी को।
बला की सी तेजी के साथ जैसे हवा सरसराई—
धांड़
उफ!
पलटकर आया घटोतविष—
धड़ाक
आह!
47

द्रुत वेग से दौड़कर न जाने कहां गायब हो गया घटोत्तविष—
मुझे सावधान रहना चाहिए। वह एकदम से आक्रमण करेगा।
नागराज! कहां गया घटोत्तविष?
इस बार हवा के वेग को सूंघ लिया नागराज ने—
घटोत्तविष?
इस बार भी न बच सका नागराज—
मुझे यहां वृक्ष पर टांग दिया नागराज ने।
ओह! उफ
धाड़
इस तरह तो मार-मार कर ये मेरी हालत खराब कर देगा।
ये वृक्ष? ये शायद मेरी कुछ मदद कर सकें।
पल के हजारवें हिस्से में नागराज के आदेश पर सैकड़ों सांप उन वृक्षों की ओर रेंग गए—

घटोतविष के आगमन की दिशा नागराज के अनुकूल थी—
ठीक दिशा से आ रहा है इस बार घटोतविष!
बला की फुर्ती के साथ लेट गया नागराज—
इस बार नहीं भाग पायेगा ये।
वृक्षों की वह कतार इस बार बाधक बन गई घटोतविष की गति से—
अरे! यह क्या जाल बिछाया नागराज ने?
संभल भी न सका घटोतविष कि आ धमका नागराज—
घटोतविष! मुकाबला करना है तो कुछ देर ठहर तो सही यहां।
पलक झपकते ही नागरस्सी लिपट गई घटोतविष की गर्दन से—
चल! एक बार तेरा ही सही नागराज! पर अब तू मुझे हाथ भी नहीं लगा पायेगा।

इस बार वार न कर सका घटोत्तविष!
मैं तुझे सचमुच हाथ नहीं लगाऊंगा घटोत्तविष!
नागरस्सी ने घटोत्तविष की गर्दन को बुरी तरह से जकड़ लिया था—
आह!
इतनी बुरी तरह से कि आंखें तक बाहर निकलने लगीं घटोत्तविष की—
आ ऽ ऽ आ!
इसी के साथ उसके जिस्म की प्रत्येक हरकत बन्द हो गई—
आ गए मेरे जांबाज सैनिक, विजयश्री प्राप्त करके।
नागराज! मुझे नीचे उतारो।
तुम्हें उतारेंगे मेरे ये सांप!
घटोत्तविष के कारण काफी समय व्यर्थ हो गया है सिल्विया, अब कुड हमें शायद उसी ज्वालामुखी में मिलेगा। नागदंत के साथ।

अपनी सर्पसेना के सेनानायक नागानन्द से सम्पर्क स्थापित किया नागराज ने —
नागानन्द! मैं अगले ही क्षण नागदंत से मानसिक सम्पर्क स्थापित कर रहा हूं!

इसी बीच तुम्हें उस स्थान का पता लगाना है जहां से नागदंत मुझसे मानसिक-सम्पर्क स्थापित किए हुए है।

नागराज का आदेश पाकर चल पड़ा सेनानायक नागानन्द —
नागदंत! मैं नागराज तुमसे मानसिक सम्पर्क स्थापित कर रहा हूं...

नागराज सम्पर्क स्थापित करने में सफल हुआ —
नागराज! मैं तुम्हारी आवाज सुन रहा हूं!
नागदंत! हुड के साथ मिल-कर जो खेल तुमने जर्मनी में आरम्भ किया है...

...उसका अंत अब मैं जल्दी ही कर दूंगा!
नागराज! मुझे कमजोर मत समझना! मैं तुम्हें छठी का दूध याद दिला दूंगा।

इस बार जर्मनी से तुम जीवित नहीं जा पाओगे नागराज! ये मेरा दावा है।

नागानन्द की सफलता पर अति प्रसन्न था नागराज—
नागदंत ने सम्पर्क बीच में ही तोड़ दिया। नागानन्द कहां तक सफल हुआ होगा!
नागराज! कमाल के हो तुम और तुम्हारे सर्प सैनिक!
ये वही ज्वालामुखी है सिल्विया, जैसा कैक्टस की आंखों में मैं देख चुका हूं।
सिल्विया! तुम नागानन्द के साथ यहीं ठहरो। ज्वालामुखी के भीतर मैं अकेला ही प्रवेश करूंगा।
किंतु...नागराज?
सिल्विया की एक न सुनी नागराज ने, और प्रवेश कर गया ज्वाला-मुखी में—
ओह! कितनी अच्छी जगह अड्डा बनाया है। ताकि ज्वालामुखी फटने के भय से कोई इस ओर न आए।
और शीघ्र ही—
हुड तुम्हारा यहां स्वागत करता है नागराज!
ग्रेट गनमास्टर हुड!
मैंने जर्मनी में तुम्हारा शानदार स्वागत करने का वादा किया था नागराज!
तुमने अपना वादा नागदंत के जरिये पूरा किया भी।

हां! लेकिन खुद मैं तुम्हारा स्वागत इन गोलियों से करूंगा।
नागराज! ये रिवॉल्वर अपने पास रखो।
अब हम मौत का एक खेल खेलेंगे। उस खेल में हम दोनों में से किसी एक का अन्त आवश्यक है नागराज!
तुम्हारी ये हसरत भी पूरी करूंगा ओर गनमास्टर हुड!
एक विशेष बटन दबाते ही फर्श दोनों के नीचे से सरक गया—
उफ! फर्श के नीचे तेजाब का तालाब है।
नागराज! छत से लटकती ये रस्सियां ही अब हमारा फर्श हैं। हम दोनों एक-दूसरे पर फायर करेंगे।
नीचे तेजाब के कुंड में गिरने का मतलब एक भयानक अंत होगा।
सचमुच मौत का खेल, खेल रहा है हुड।
गोली से बचने के लिये तेजी से झूला नागराज।
पर हुड की गोली ने वह रस्सी काट दी जिस पर लटका था नागराज—
उफ! तेजी से तेजाब के कुण्ड की ओर जा रहा हूं मैं।

नागराज की कलाइयों से छूट पड़े सांप—
मैं अपनी रस्सी को बढ़ा सकता हूं ग्रेट जाल-मास्टर हूं!...
...पर तेरी जिन्दगी की डोर बहुत छोटी हो चुकी है हूं! उसे नहीं बढ़ा पाओगे तुम!
धांय
नागराज की गोली से बचने के लिए रस्सी पर एक तीव्र झटका खाया हूड़ने, पर—
तेजाब के कुण्ड में समा गया हूड—
अब ढूंढे से भी नहीं मिलती थी उसकी हड्डियां तक—
चौंक पड़ा नागराज यह स्वर सुनकर—
नागराज! गद्दार हूड की मौत के लिए एहसानमंद है तुम्हारी सिल्विया!
सिल्विया! तुम यहां?
नागराज! तुम्हारे भीतर जाने के बाद मैं खुद को भीतर आने से रोक न पाई और नागानन्द की मदद से मैं यहां तक चली आई!
ओह!

इसी पल गूंज उठा एक और स्वर —
और अब तुम दोनों में से कोई जीवित इस ज्वालामुखी से बाहर नहीं निकल पायेगा!
नागदन्त! ये स्वर तो नागदंत का है सिल्विया!
धड़धड़ाकर हट गई एक दीवार और मुस्कराया नागराज —
तो आखिर तुम भी सामने आ ही गए नागदंत!
तुमसे हिसाब चुकाना जरूरी था नागराज!
उस दिन सरदार कंगालू * के द्वीप से रॉकी का स्टीमर लेकर फरार होने के बाद मैं नागमणि द्वीप से दूर नहीं गया था।
नागमणि द्वीप का पीछा इतनी आसानी से नहीं छोड़ूंगा मैं।
बल्कि वहीं पास ही एक अन्य द्वीप पर मैं नागमणि द्वीप से तुम्हारे जाने की प्रतीक्षा करने लगा —
इस दूरबीन द्वारा इस द्वीप से मैं नागमणि द्वीप पर नजर रख सकता हूं।
तुम नागमणि द्वीप से रवाना हुए —
नागराज! इसी पल की प्रतीक्षा थी मुझे।
वहीं झाड़ियों में छिपाकर खड़ी की गई अपनी बोट द्वारा मैं वापस नागमणि द्वीप की ओर चल पड़ा —
हा हा हा! नागदंत यहां से अकेला नहीं जायेगा।
* सरदार कंगालू, रॉकी और नागदंत की फरारी के विषय में जानने के लिए पढ़ें एक सुपरहिट कॉमिक 'नागराज और कालदूत'

हर स्थान पर अच्छे-बुरे सभी तरह के प्राणि मिलते हैं—
ऐसे नागमानवों को खोज निकालना होगा मुझे, जो अपराधी या क्रूर प्रवृति के हों।
हंसा नागदंत—
नागराज! तुम समझ गए होंगे कि ऐसे नाग-मानवों को खोजने में सफल हुआ था मैं।
ग्रेट गनमास्टर हुड के साथ मिलकर इस बार मैंने अपना शिकार जर्मनी को बनाने का फैसला किया था।
जानता था कि इच्छाधारी सांपों के बारे में सुनकर तुम जर्मनी अवश्य पहुंचोगे। तुम पहुंच गए।
तुम्हारा इन्तजाम करने में भी लगा रहा महान प्रोफेसर नाग-मणी का ये शिष्य नागदंत!
नागराज! देखो उधर! तुम्हारी मौत का इससे भयानक रूप क्या होगा?
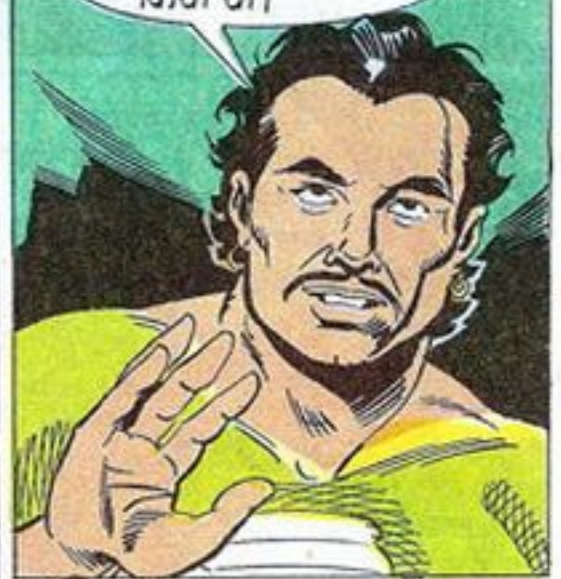
जंगले से बाहर आ गया नेवला —

इसे समाप्त किए बिना नाग-दंत तक नहीं पहुंचा जा सकता।

उफ! नागराज!

नागदंत की मेहनत ने रंग दिखाया —

उछलकर नागराज के शरीर पर पांच खरोंचे बना दी उसने —

खरोंच

ओफ़

उसकी आंखों पर विष फुंकार छोड़ी नागराज ने —
हा हा हा। नागराज! इसकी आंखों पर सुरक्षात्मक लेंस लगे हुए हैं। च च च। दया आती है तुम पर नागराज!
अजगर दांव में जकड़ लिया नागराज ने उसे —
इसकी पसलियां टूट जायेंगी इस दांव से।
नेवले के पैने दांतों ने नागराज को कराहने पर विवश कर दिया —
क्रोध से पागल हो रही थी यह सब देखती सिल्विया —
तब अचानक —
नागराज की गर्दन पर दांत गड़ा दिए नेवले ने —
धाड़
नहीं शैतान!
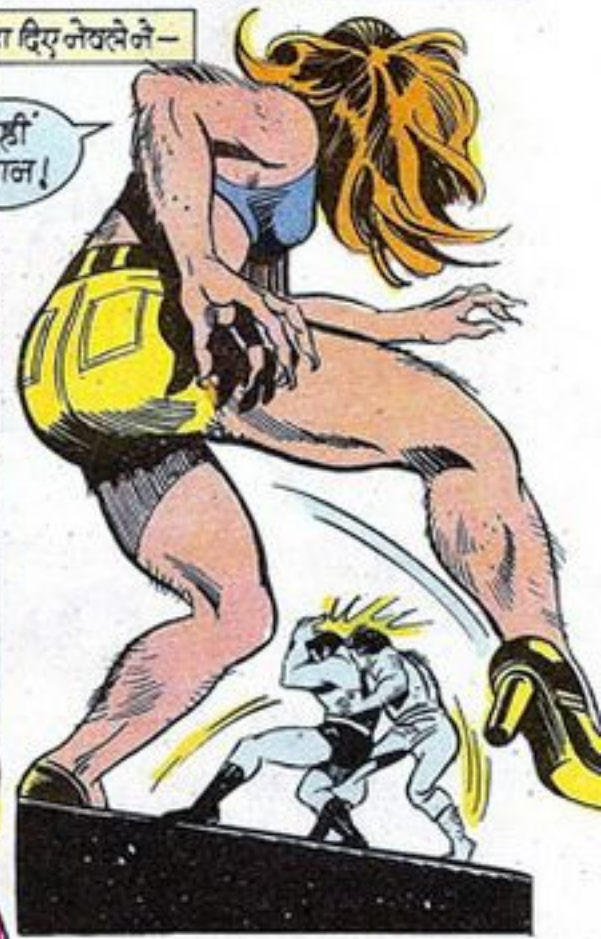
सिल्विया ने खाल से मांस तक नोंच लिया —
चीं ... चीं
ओह! फिर आ गए हैं इसमें नेवले के गुण
नेवले की गर्दन पर दांत व शरीर पर पंजे गड़ा दिये उसने —
आह
आश्चर्य! चीखकर नीचे गिर गया नेवला, और —
हैरत से फटी थीं नागदंत की आंखें —
नेवले के रूप में एक बड़ी शक्ति को समाप्त कर डाला है इस लड़की ने।
तड़प-तड़प कर मर गया वह।
इसी क्षण कंपकंपाने लगीं दीवारें —
उफ! सिल्विया! ये भूकम्प की निशानी है।
हम इस समय ज्वालामुखी में हैं नागराज!

इसका मतलब ज्वालामुखी फटने वाला है! भागो सिल्विया! नागदंत को भी रोकना है अभी!
इस बार उसे फरार नहीं होने दूंगा मैं!
भू-कम्पन तीव्र हो रहा था।
गुफा से बाहर आते ही चिहुंक पड़ा नागराज—
नागदंत फरार हो रहा है!
नागदंत वाली सीढ़ी को बुरी तरह से झंझोड़ दिया सिल्विया ने—
आह, नहीं
नागराज ने खैंच कर लिया नागदंत को—
नागदंत! मौत से बचकर भागने की जल्दी में तुम यह भी भूल गए कि सर्परस्सी का इस्तेमाल कर तुम जल्दी ज्वालामुखी के मुंह से बाहर निकल जाते!
नागराज ने दीवार पर पटक दिया नागदंत को—
पर अब यही ज्वालामुखी तुम्हारी कब्र बनेगा नागदंत!
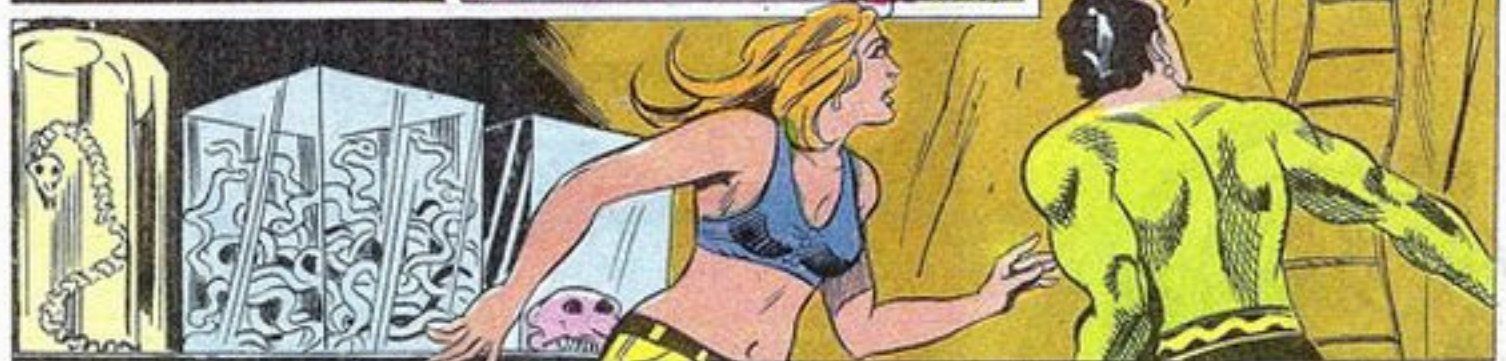
भीषण गर्मी हो गई ज्वालामुखी के गर्भ में—
नागराज! यहां से जल्दी निकल चलो। ज्वालामुखी किसी भी समय फट सकता है।
नागदंत का अंत किए बिना मौत मुझ पर नहीं झपट सकती विषिया!
क्रोध से पागल हो गया नागदंत—
नागराज! मैंने अपने जिस्म में वास करने वाले सर्पों की शक्ति भी बढ़ा ली है।
मैं तुझे नहीं छोड़ूंगा नागराज!
नागराज की कलाइयों से भी निकलकर मैदाने जंग में कूद पड़े सांप—
खौफनाक रूप में सामने आ गया नागदंत—
नागराज! सैकड़ों सांपों को मारकर उनका विष मैंने इस टैंकर में भरा है।

अब इस विष से तेरी दुनिया अन्धेरी कर दूंगा!
ये विष मेरी आंखों के लिए घातक हो सकता है!
नागराज ने विष से बचने का विकल्प ढूंढ लिया—
इस विष का निर्माण करने के लिए नागदंत ने भी इस मास्क का इस्तेमाल किया होगा!
अब तेरा ये विष मुझे कोई क्षति नहीं पहुंचा सकता नागदंत!
उफ! इस मास्क के रहते ये विष व्यर्थ है!
क्रोधित नागदंत ने उछाल फेंका सांपों से भरा कांच का बक्सा—
नागदंत की घोर निराशा का चिन्ह है ये आक्रमण!
सभी सांप समा गए नागराज के जिस्म में—
मेरे सैनिकों की संख्या बढ़ाने का शुक्रिया नागदंत!
नागराज ने थाम ली नागदंत की कलाई—
नागदंत! मैंने तेरी शक्तियों का इस्तेमाल मानवता की भलाई के लिए करने की सोची थी। पर अब लगता है कि तेरी मृत्यु ही मानवता की भलाई का सबसे उचित मार्ग है!
कड़ाक
आह!

दोनों हाथ तोड़ डाले नागराज ने उसके—
ओह! अब यहां से निकलना ही उचित होगा।
आओ सिल्विया!
नहीं नागराज! मुझे छोड़कर मत जाओ!
नागराज सुरक्षित बाहर आ गया—
नागराज! क्या नागदंत भी सर्पसूत्री के जरिये...?
नहीं सिल्विया! मैंने उसके हाथ तोड़ डाले हैं। अब वह इस शक्ति का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा।

Printed at: Japan Art Press